# अर्थशास्त्र

## लक्ष्य एवं उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय/विश्वविद्यालय स्तर पर उच्च शिक्षा के योग्य बनाना है। अतः उन्हें विषय की बुनियादी सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी जानी चाहिये जो कि निम्न प्रकार है :–

**(1)** भारतीय एवं पाश्चात्य आर्थिक चिन्तन से अवगत कराना एवं भारत तथा मध्यप्रदेश की आर्थिक विशेषताओं की जानकारी देना।

**(2)** उपभोक्ता व्यवहार, उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादन के नियम एवं पूँजी निर्माण की विवेचना करना।

**(3)** आर्थिक विकास, आधारभूत संरचना, भारत में नियोजन, गरीबी, बेरोज़गारी, मुद्रा स्फीति, मानव पूँजी जैसी विद्यमान चुनौतियों से अवगत कराना।

**(4)** समष्टि एवं व्यष्टि अर्थशास्त्र, उपभोक्ता की माँग, माँग की लोच, उत्पादक की पूर्ति, पूर्ति की लोच की अवधारणाओं की विवेचना और उपभोक्ता एवं उत्पादक के साम्य की विवेचना।

**(5)** बाज़ार के प्रकार, मूल्य निर्धारण, रोज़गार सिद्धान्त, आर्थिक स्थिरता एवं मौद्रिक प्रणाली की विवेचना।

**(6)** लोकवित्त, भुगतान सन्तुलन, बजट, राष्ट्रीय आय आदि सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पहलुओं का अध्ययन।

**(7)** सांख्यिकीय विधियों से परिचित कराना एवं अर्थशास्त्र तथा प्रायोजना कार्यों में इनका उपयोग।

# <u>ECONOMICS</u>

## Aims & Objectives

The main aim of the syllabus is to develop the students's competence for higher studies in colleges and universities. Hence, basic knowledge of the subject, related to theory and applied aspects, should be imparted to the students. For economics, following aspects have been covered :-

(1) Comparative study of Indian and Western economic thinking and basic economic features of India & Madhya Pradesh.

(2) Consumer's behaviour, production process, laws of production, capital formation.

(3) Economic development, basic infrastructure, planning in India, and challenges like-poverty, un-employment, inflation, human capital are to be covered.

(4) Concepts relating to Micro and Macro economics, consumer's demand, elasticity of demand, producer's supply, elasticity of supply, consumer's and producer's equilibrium should be cleried.

(5) Types of market and determination of price, theory of employment, monetary system are to be explained.

(6) Knowledge related to public finance, balance of payment, budget, national income etc. should be imparted.

(7) To introduce statistical methods and their use in economics & project work.

# अर्थशास्त्र

## कक्षा – 12वीं

**समय – 3 घण्टे** **पूर्णांक : 100 अंक**

### इकाईवार अंक विभाजन

| इकाई क्र. | विषय वस्तु | निर्धारित अंक | निर्धारित कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| 1. | समष्टि एवं व्यष्टि अर्थशास्त्र | 05 | 08 |
| 2. | माँग व पूर्ति | 16 | 25 |
| 3. | बाजार के प्रकार एवं मूल्य निर्धारण | 06 | 10 |
| 4. | राष्ट्रीय आय एवं लेखांकन पद्धति | 08 | 14 |
| 5. | आय एवं रोजगार का निर्धारण | 10 | 12 |
| 6. | मुद्रा तथा बैंकिंग | 10 | 12 |
| 7. | भुगतान शेष एवं व्यापार | 07 | 12 |
| 8. | लोक वित्त | 06 | 10 |
| 9. | सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था | 08 | 12 |
| 10. | साँख्यिकी | 24 | 40 |
| | प्रायोजना कार्य (केवल व्यवहारिक ज्ञान हेतु) | – | 05 |
| | पुनरावृत्ति | – | 20 |
| | योग | 100 | 180 |

**इकाई 1 समष्टि एवं व्यष्टि अर्थशास्त्र –** **05**

**(i)** परिचय, महत्त्व एवं सीमाएँ।

**(ii)** समष्टि एवं व्यष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर।

**(iii)** अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ, उत्पादन संभावना वक्र एवं अवसर लागत।

**इकाई 2 माँग एवं पूर्ति –** **16**

**(i)** **उपभोक्ता व्यवहार एवं माँग –** व्यक्तिगत एवं बाजार माँग, माँग का निर्धारण, माँग तालिका एवं वक्र, माँग का विस्तार एवं संकुचन, माँग की वृद्धि एवं कमी, माँग की लोच एवं माँग की कीमत लोच को मापने की विधियाँ–प्रतिशत एवं कुलव्यय विधि।

**(ii)** **उत्पादक का व्यवहार एवं पूर्ति –** बाजार पूर्ति, निर्धारक तत्व, **पूर्ति तालिका एवं वक्र**, पूर्ति की कीमत लोच एवं उसका मापन।

**(iii)** **लागत एवं आगम –** लागत की अवधारणा, **अल्पकालीन लागत वक्र,** (स्थिर एवं परिवर्तनशील लागत), कुल औसत एवं सीमान्त लागतें, आगम की अवधारणा, कुल औसत एवं सीमान्त आगम एवं उनके संबंध।

**(iv)** **उत्पादक का संतुलन –** सीमान्त लागत एवं सीमान्त आगम तथा कुल आगम व कुल लागत विधियों द्वारा।

**इकाई 3 बाजार के प्रकार एवं मूल्य निर्धारण :–** **06**

- **(i) बाजार के प्रकार –** पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, एकाधिकृत प्रतियोगिता, उनके अर्थ एवं विशेषताएँ।
- **(ii) पूर्ण प्रतियोगिता में मूल्य निर्धारण –** संतुलन (साम्य) मूल्य, माँग एवं पूर्ति में परिवर्तन के प्रभाव।

**इकाई 4 राष्ट्रीय आय एवं लेखांकन पद्धति :–** **08**

- **(i) राष्ट्रीय आय –** अर्थ, अवधारणा, गणना की विधियाँ (Gross Domestic Product, Gross National Product, Net Domestic Product, Net National Product)। भारत में राष्ट्रीय आय लेखांकन संबंधित समस्याएँ, भारत की राष्ट्रीय आय कम होने के कारण, भारत में राष्ट्रीय आय की वृद्धि के उपाय।
- **(ii) राष्ट्रीय आय की गणना –**
  - **(अ)** मूल्यवृद्धि विधि (Value Added Method)
  - **(ब)** आय विधि (Income Method)
  - **(स)** व्यय विधि (Expenditure Method)

**इकाई 5 आय एवं रोजगार का निर्धारण –** **10**

- **(i) कुलमाँग, कुलपूर्ति** एवं उनके तत्व।
- **(ii) उपभोग प्रवृत्ति एवं बचत प्रवृत्ति** (औसत एवं सीमान्त)।
- **(iii) अनैच्छिक बेरोजगारी एवं पूर्ण रोजगार** – अर्थ।
- **(iv) आय तथा रोजगार का निर्धारण –** द्विक्षेत्रीय मॉडल।
- **(v) निवेश गुणक की अवधारणा न्यून रोजगार –** सुधार के सुझाव ।

**इकाई 6 मुद्रा तथा बैंकिंग :–** **10**

- **(i) (अ) मुद्रा –** अर्थ, प्राचीन भारत में मुद्रा, मुद्रा के प्रकार एवं महत्त्व।
  - **(ब) मुद्रास्फीति एवं मुद्रा संकुचन –** अर्थ, कारण, एवं उनके नियंत्रण के उपाय।
- **(ii) (अ) बैंकिंग–**भारत में बैंकों का प्रादुर्भाव, केन्द्रीय बैंक (रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया)–अर्थ एवं कार्य (वर्तमान मौद्रिक प्राणाली)।
  - **(ब) वाणिज्यिक एवं सहकारी बैंक –** अर्थ एवं कार्य।

**इकाई 7 भुगतान शेष एवं व्यापार –** **07**

- **(i) भुगतान शेष एवं व्यापार** – अर्थ, भुगतान शेष लेखांकन की संरचना, चालू एवं पूँजी खाते। वर्तमान में विदेशी विनिमय दर का निर्धारण, स्थिर, परिवर्तनशील विनिमय दर, भुगतान असंतुलन की समस्याएँ (कारण और उपाय)।
- **(ii) राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार –** परिचय, अंतर, लाभ–हानियाँ तथा भारत में दोनों व्यापार की वर्तमान स्थिति।

**इकाई 8 लोकवित्त –** **06**

**(i) लोकवित्त –** अर्थ, महत्त्व एवं क्षेत्र (तत्व), सार्वजनिक एवं निजी वित्त, अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत।

**(ii) करारोपण –** अर्थ, उद्देश्य, प्रकार, गुण, दोष एवं लक्षण,।

**इकाई 9 सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था :–** **08**

**(i) बजट –** अर्थ, उद्देश्य, तत्व, बजटीय प्राप्तियाँ, सरकारी व्यय एवं विकास व्यय व गैर विकास व्यय।

**(ii) बजट के प्रकार –** संतुलित, आधिक्यपूर्ण व घाटे वाले बजट, घाटे के प्रकार–राजकोषीय, प्राथमिक एवं राजस्व घाटा।

**(iii) भारत सरकार एवं म.प्र. सरकार** के एक वर्ष के बजट के उदाहरण।

**इकाई 10 सांख्यिकी –** **24**

**(i) निर्देशांक –** अर्थ, लक्षण, महत्त्व, सीमाएँ और उपयोगिता।

**(ii) निर्देशांक के प्रकार –** थोकमूल्य निर्देशांक, भारित निर्देशांक, सरल निर्देशांक, उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक, औद्योगिक उत्पादन निर्देशांक, मूल्य निर्देशांक, जीवन निर्वाह व्यय निर्देशांक, फिशर का आदर्श सूचकांक

**(iii) विचलन की माप –** रेंज, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन, प्रमाप विचलन एवं विचलनों के गुणांक (उपरोक्त सभी)।

**(iv) सह–संबंध –** अर्थ, प्रकार, महत्व, कार्ल पियर्सन एवं स्पियर मैन का कोटि सह–संबंध गुणांक।

**प्रायोजना कार्य (केवल व्यवहारिक ज्ञान हेतु) :–**

**बैंक–प्रपत्रों का व्यवहारिक ज्ञान –** छात्रों में बैंकिंग प्रपत्रों को भरने एवं समझने की दक्षता विकसित करने के लिए उनसे विभिन्न प्रकार के प्रपत्र भरवाये जावें एवं उनका एलबम तैयार कर रिकॉर्ड रखें।

---

## ECONOMICS

**Time : 3 hours** **Class - XII th** **M. Marks : 100**

### Unit-wise Distribution of Marks

| S.No. | Topics | Marks | Suggested Period |
|---|---|---|---|
| 1. | Macro and Micro Economics | 05 | 08 |
| 2. | Demand and Supply | 16 | 25 |
| 3. | Forms of Market and Price Determination | 06 | 10 |
| 4. | National Income and Accounting System | 08 | 14 |
| 5. | Determination of Income and Employment | 10 | 12 |
| 6. | Money and Banking | 10 | 12 |
| 7. | Balance of Payment and Trade | 07 | 12 |
| 8. | Public Finance | 06 | 10 |
| 9. | Government Budget and Economy | 08 | 12 |
| 10. | Statistics | 24 | 40 |
| | Project Work (Only for applied knowledge) | - | 05 |
| | Revision | - | 20 |
| | Total | 100 | 180 |

**Unit-1** **Macro and Micro Economics :-** **05**

**(i)** Introduction, Importance and Limitaions.

**(ii)** Defference between Micro and Macro Economics.

**(iii)** **Economics - Central Problums of an Economy**-Production Possibility Curve and Opportunity Cost.

**Unit-2** **Demand and Supply -** **16**

**(i)** **Consumer's Behaviour and Demand -** Individual and Market Demand, Determinents of Demand, Demand Schedule and Curve, Expansion and Contraction of Demand, Increase and Decrease of Demand, Elasticity of Demand and methods of measuring Price Elasticity of Demand- percentage and total expenditure method.

**(ii)** **Producer's Behaviour and Supply -** Market supply, determinants, Supply Table and Curve, Price Elasticity of Supply and its measurement.

**(iii)** **Cost and Revenue -** Concept of Costs; short- turm Cost curves (Fixed and Variable Costs) Total Average and Marginal Costs, Concepts of Revenue - Total Average and Marginal Revenue and their relationships.

**(iv)** **Producer's Equilibrium -** With the help of Marginal Cost and Marginal Revenue and Total Cost and Total Revenue.

**Unit-3 Forms of Market and Price Determination - 06**

**(i)** **Forms of market** - Perfect competition, Monopoly, Monopolistic competition their meaning and features.

**(ii)** **Price determination under Perfect Competition**- Equilibrium Price, Effects of shifts in Demand and Supply.

**Unit-4 National Income and Accounting System - 08**

**(i)** **National Income** - Meaning, Concepts, methods of Computing (Gross Domestic Product, Gross National Product, Net Domestic Product, Net National Product) problem of National Income Accounting in India, causes of low National Income of India and measures for its increase.

**(ii)** **Measurement of National Income -**

**(a)** Value Added Method.

**(b)** Income Method.

**(c)** Expenditure Method.

**Unit-5 Determination of Income and Employment - 10**

**(i)** Aggregate Demand, Aggregate Supply and their Components.

**(ii)** Propensity to Consume and Propensity to Save (Average and Marginal)

**(iii)** Meaning of Involuntary unemployment and full employment.

**(iv)** Determination of Income and Employment -Two sector model.

**(v)** Concept of Investment Multiplier, Deficient Demand - Suggestions for improvement.

**Unit-6 Money and Banking :- 10**

**(i) (a) Money -** Meaning, Money in ancient India, Types of money and importance.

**(b) Inflation and deflation -** Meaning, causes and measures to control them.

**(ii)** **Banking-**

**(a) Evolution of Banking in India, Central Bank (Reserve Bank of India) -** Meaning and functions (Current Monetary system)

**(b) Commercial and Co-operative Bank-** Meaning and functions.

**Unit-7 Balance of Payment and Trade- 07**

(i) **Balance of payment and trade -** Meaning, Components of Balance of payment account, Current and Capital Account. Determination of foreign Exchange Rate at Present, Fixed & Flexible exchange rate, Balance of Payment problem (Causes and Remedies).

(ii) **National and International Trade**- Introduction, Difference, Advantages and Disadvantages and Present State of Both the Trade in India.

**Unit-8 Public Finance - 06**

**(i)** **Public Finance -** Meaning, Importance and Scope (Components) public and private finance, Principal of maximum social advantage.

**(ii)** **Taxation -** Meaning, objectives, types, merit, demerits and characteristics,

**Unit-9 Government Budget and Economy - 08**

(i) **Budget** - Meaning, Objectives, Components, Budgetory Reciepts, Governmental Expenditure, Developmental and Non - developmental Expenditures.

(ii) **Types of Budget -** Balanced, Surplus and Deficit Budget, Types of Deficits - Fiscal, Primary and Revenue Deficit.

(iii) One year's example of Budget of each Government of India and **Government of Madhya Pradesh.**

**Unit-10 Statistics - 24**

**(i).** **Index Numbers -** Meaning, Characteristics Importance and Limitations and Utility.

**(ii).** **Types of Index Numbers -** Wholesale Price Index, Weighted Index, Simple Index, Consumer Price Index, Industrial Production Index, Price Index, Cost of Living Index (Theory and Problems), Fisher's ideal Index Number.

**(iii).** **Measures of Dispersion -** Range, Quartile Deviation, Mean Deviation, Standard Deviation and Co-efficient of all Deviation. (range, quartile deviation mean devia tion, standard deviation and their coefficients variation.)

**(iv).** **Correlation -** Meaning, Types, Importance, Karl Pearson Co-efficient of Correlation and Spearman's Rank Correlation.

**Project Work (Only for Practical/Applied knowledge ) -**

**Practical/Applied Knowledge of Banking -** Students should be given knowledge of filling and to understand the Banking formets of different types and develop expertise and Album should be prepared and to be get in record.